निकारागुआ:चुनावों के मरहम का असर भी संदिग्ध

निकारागुआ में नवम्बर में होने वाले चुनाव है। समूचे राज्य में बड़ी सरगर्मी है। चारो ओर चहल- पहल है। नेताओं की बेतहाशा दौड़ भाग शुरू हो गई है। इस बार का चुनाव पिछले चुनावों से कुछ अलग- थलग जान पाड़ता रहा है, क्योंकि तीन सैंडिनिस्टा-विरोधी पार्टियों ने खुले आम चुनाव में भाग लेने से इन्कार कर दिया है। चुनाव अधिकारियों के लिये एक विचित्र समस्या खड़ी हो गयी है। ज्यों- ज्यों चुनाव नजदीक आता जाता रहा है, उनकी उलझन बढ़ती जा रही है। ये तीनों पार्टियां विधिवत् कानूनी मान्यता- प्राप्त हैं और उनका चुनाव से अलग हो जाना चुनावी राजनीति में एक महत्वपूर्ण मानी रखता है। इन पार्टियों द्वारा ऐसी घोषणा किये दो महीने हो चुके हैं।

इसमें दो तरह की बातें सुनने में आ रही हैं। कुछ लोगों का कहना है कि चुनाव अधिकारियों ने ही कतिपय अपरिहार्य करणों से इन तीनों सैंडिनिस्ट - विरोधी पार्टियों को चुनाव के लिये अवैध ठहरा दिया है और चुनाव लड़ने की अनुमति ही नहीं दी है। कुछ लोग इन तीनों पार्टियों द्वारा चुनाव के बहिष्कार किये जाने की बात को सही मान रहे हैं। जो भी हो, इतना तो स्पष्ट है कि तीन पार्टियां और उनके अनाधिकारी राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार आर्तुये वोसे क्रुज को खुलेआम सड़कों पर जुलूस निकालने या चुनाव अभियान में हिस्सा लेने का अधिकार नहीं है।

संविद के नेता जिन लोगों ने सारी बिखरी पार्टियों को मिलाकर एक किया है और उनके व्यापार तथा श्रम संगठनों की ओर से साथ देने वाले साथियों का कहना है कि आनेवाले सप्ताह वे लोग विदेश यात्रा पर व्यतीत करेंगे ताकि सैंडिंगविस्टा सरकार पर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर दबाव डालने के लिए मजबूत आधार तैयार किया जा सके। क्रुज और दो अन्य विरोधी दलों के नेताओं ने साथ- साथ कुछ लातीनी अमरीकी देशों की यात्रायें की है., जहां कोस्टारिका वेनेजुएला, फोर्लबितया और इक्वेडोर के राष्ट्रपतियों द्वारा इनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इन राष्ट्राध्यक्षों ने इनके प्रति गहरी सहानुभूति दिखाई और अपनी ओर से हर प्रकार की मदद का अश्वासन दिया। वेनेजुएला के राष्ट्रपति ने तो हवाई हड्डे पर ही सैंडिनिस्टा सरकार के बारे में सुनने के बाद काफी खरी खोटी सुनाई।

क्रुज और इसके साथ वाली तीनों विरोधी पार्टियां तब तक चुनाव में भाग लेने के विषय मे पुनर्विचार करने को तैयार नही है, जबतक कि निकारागुआ की सत्तारूढ सैंडिनिस्टा सरकार दर्जनों राजनैतिक बन्दियों को रिहा नहीं कर देती, चुनाव पर नजर रखने के लिये विदेशी प्रेक्षकों को अनुमति नही देती और संवैधानिक ढांचे में आवश्यक परिवर्तन किये जाने का आश्वासन नहीं दे देती। सैंडिविनिस्टा सरकार स्वतंत्र और स्वच्छ चुनाव हाने देगी, इसमें उन्हें संदेह है। क्रुज समर्थकों के अनुसार राजनीतिक बंदियों के रिहाई के बिना चुनाव अभियान में साथ देने वाले साथी जेलों में बन्द हैं। इनका कहना है कि इस प्रकार के चुनाव को अवैध ठहराना आसान है औ सैंडिविस्टा सरकार पर अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर दबाव देकर राजनीतिक ढील देने को मजबूर किया जा सकता है।

अधिकारियों द्वारा निर्धारित रजिस्ट्रेशन की अंतिम तारीख को बीते महीनों हो गये। मगर यही एक डेढ़ महीने पहले सैंडिनिस्टा द्वारा फर्माना जारी किया गया कि क्रुज अगर चाहे तो इतना समय बीत जाने के बावजूद भी उन्हें रजिस्ट्रेशन कराने की अनुमति विशेष परिस्थितियों में ही दीं जा सकती है।

''ऐसे मुद्दे पर, हमारे लिये चुनाव में भाग लेना असंभव प्रतीत होता है'' - यह कथन है लुइस रिवास लीबा का जो संयुक्त विरोधी दल के अध्यक्ष हैं। ये आगे कहते हैं- ''सरकार ने निष्पक्ष चुनाव कराने के लिये कोई पूर्व शर्त नही रखी है।'' सैंडिनिस्टों को अभी छै पार्टियों का मुकाबला करना है। इनमें तीन छोटी-छोटी मार्क्सवादी लेनिनवादी पार्टियां है, एक छोटी लोकप्रिय सोसल क्रिस्चियन पार्टी है और दो अन्य पार्टियां हैं ट्रैडिशनल और कंजवैटिव पार्टियां।

क्रुज का साथ देने वाली पार्टियों का कहना है कि मिला जुला संयुक्त दल एक दम नितान्त विरोधी दल समूह है और बिना इनके भाग लिये चुनाव कराने का कोई अर्थ नहीं है। मगर सैंडिनिस्टा अधिकारीगण इनकी ताकत को कम करके बताते हैं। सैंडिनिस्टा के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डैनियल ओर्टेगा सावेद्रा ने अपने एक वक्तव्य में कहा है कि सारी विरोधी पार्टियां अमरीका खुफिया विभाग सी. आई. ए. के कड़े अनुशासन के अन्दर है.

सैंडिनिस्टा अभियान दल के वरिष्ठ कार्यकर्ता जियोकोंडा बेली ने एक साक्षात्कार में कहा कि ''क्रुज समर्थकों ने अपनी मांगों का इतना लंबा चिट्ठा हमारे सामने रख दिया है जिसे हम किसी भी हालत में पूरा नहीं कर सकते। ''वैसे भी इन पर कई अभियोग हैं।''

कुमारी बेली के अनुसार संयुक्त विरोधी दल और क्रुज समर्थकों ने विदेशों में अपने बारे में भ्रांतियां फैला रखी हैं'

विजिलियो गोडोय रेयेस, जिन्होंने पिछले वर्षों श्रम मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया था और अब स्वतंत्र उदारवादी उम्मीदवार हैं साथ सेन्ट्रो मेंएक विशाल भीड़ को संबोधित करते हुए उनहोंने कहा कि देश अभी गरीबी भुखमरी और बेकारी की समस्या से भीषण रूप से घिरा हुआ है। इसके लिये एकमात्र सैंडिनिस्टा जिम्मेदार है, जिसने इन समस्याओं से देश को छुटकारा दिलाने का वादा कियाथा ,और एक ही प्रतिज्ञा आज तक पूरी की है। ओर्टेगा और उनके साथ खड़े होने वाले साथ सर्जियों रैमिरेज मर्कांडो, जो दोनों सत्तारूढ जनता के सदस्य हैं, इन दोनों ने भी इधर देश के विभिन्न भाग में घूमकर कई जगह रुक रुक कर लोगों को सैंडिनिस्टा की उपलब्धियो और नई नई चलू विकास योनाओं के बारे में लोगों को बताया है।

१९७९ से अब तक सैंडिनिस्टा को ५ साल पूरे हो रहे हैं। इन पांच सालों में न तो विरोधी दलों को कुछ बोलने की आजादी गई, न ही प्रेस को नियंत्रण से मुक्त रखा गया। पूरे देश में आपात् स्थिति जैसा वातावरण कायम रहा। विदेशी प्रेस वालों को प्रवेश की अनुमति बड़ी मुश्किल से मिली थी। अन्तर्राष्ट्रीय दबाव के आगे कभी कभी मानवाधिकार दल को देश के अन्दर जाने तो दिया गया अवश्य मगर कोशिश यही रखी गई कि असलियत न मालूम होने दिया जाये। आज भी जबकि स्वतंत्र चुनाव कराने का डिंडोरा पीटा जा रहा है, मगर उतनी ही ढील दी गई है, उसका उपयोग ला प्रेंसा का संपादक सैंडिनिस्टा के पिछले चार सालों से लगातार किये जा रहे अत्याचार की कहानी उगलने के लिये कर रहा है। लाप्रेंस ने क्रुज की देश के सबसे लोकप्रिय नेता के रूप में छवि बनाने में कोई कसर नहीं छोडी है।

सैंडिनिस्ट चुनाव सिर्फ अन्तर्राष्ट्रीय दबाव के आगे सिर्फ औपचारिकता पूरी करने के लिये करवा रहा है मगर यो कभी नही चाहेगा कि सत्ता की बागडोर इसके हाथ ने छिान जाये, इसलिये यह इंतजाम भी उसके मन में हैं। अतएव निराकागुआ का चुनाव नवम्बर में ही होने वाले सउरुग्वे के चुनाव जैसा होगा, ऐसा प्रतीत होता है। प्रत्यक्ष या अप्रत्याक्ष रूप से जो चुनाव सरकार नियंत्रण में होगा, उसके विषय में निष्पक्षता की बात सोजना फिजूल है।

-शशिधर खां

दैनिक जागरण (कानपुर) 22.10.1984